एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2020 एवं जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूल पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001	:	समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002	:	शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003	:	विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004	:	भारत में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमने बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2021**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2021**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ-001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एव संकल्पनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-001
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से *कम से कम* दो प्रश्नों के उत्तर अवशय दीजिए।

भाग I

अंक

1. सामाजिक वास्तविकता की संकल्पना की चर्चा, सांकेतिक ब्रहमांड के संदर्भ में कीजिए। 20

2. सिद्धांत और पाराडाईस के आपसी संबंध का वर्णन कीजिए। 20

3. नव़-प्रकार्यवाद के सिद्धांत की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। 20

4. ईसाह बर्लिन के साहित्यिक लेखन उदारता की संकल्पना का वर्णन कीजिए। 20

5. मेलिनोस्की द्वारा प्रतिपादित संस्कृति के वैज्ञानिक सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 20

भाग II

6. फूको के 'ज्ञान के पुरातत्व' की संकल्पना की चर्चा कीजिए। 20

7. संप्रभुता क्या है। आंतरिक एवं बाह्य संप्रभुता के अंतर की चर्चा कीजिए। 20

8. सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यत्मक परिप्रेक्ष्य का वर्णन कीजिए। 20

9. सामाजिक असमानता पर किनस्लेडेविस, विल्बर्टमूर और मेलविनट यूमिन के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20

10. कार्लमार्क्स के वर्ग आधारित दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020-21

अधिकतम अंक : 100
अधिभारिता : 30%

अंक

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

1. 'वस्तुनिष्ठता, सार्वभौमीकरण और कारणात्मक व्याख्या के अपने मूलसिद्धांतों के साथ, विज्ञान का सामाजिक विज्ञान पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव बना रहा है' आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 25

2. शोध की सहभागिता पर क विधि क्या है? सविस्तार लिखिए। 25

3. मानवजाति शास्त्र क्या है? समाजशास्त्रीय शोध में इसके महत्व का वर्णन कीजिए। 25

4. प्रायिकता प्रतिचयन क्या है? इसके विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए। 25

5. अंतर स्पष्ट कीजिए : 25

   (i) शुद्ध शोध और अनुप्रयुक्त शोध

   (ii) सहभागी प्रेक्षण और गैर–सहभागी प्रेक्षण

   (iii) प्रश्नावली और अनुसूची

   (iv) शोध की गुणात्मक एव ंपरिमाणात्मक विधियाँ

   (v) सहसंबंध एव ंसमाश्रयण

भाग II

निम्नलिखित विषय वस्तुओं में से किसी *एक* पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. फेसबुक मित्र 50

2. प्रवासी श्रमिकों का घर की ओर रुख (reverse migration) 50

3. समकालीन समय में स्वास्थ्य देखभाल पद्धति 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा लेख लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन करने होंगे और चयनित विषय वस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में मुद्दे को एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को खोलकर समझाएं एवं ठोस रूप से इनकी प्रस्तुति करें और
- उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम,
एमएसओ–003 : विकास का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–003
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020-21

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग – क

1. विकास शब्द के विविध लक्ष्यार्थों का परीक्षण करें। 20

2. विकास की धारणा के सामाजिक और मानवीय आयाम का मूल्यांकन करें। 20

3. लिंग और विकास के बीच क्या संबंध है? चर्चा करें। 20

4. विकास को समझने के तरीके के रूप में विश्व प्रणाली विश्लेषण का गंभीर मूल्यांकन करें। 20

भाग – ख

5. असमान आर्थिक व्यवस्थाओं को समझाने में निर्भरता के सिद्धांतकार के योगदान का मूल्यांकन करें। 20

6. संसाधन प्रबंधन के लिए सहभागी उपागम की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें। 20

7. जातीय/नृजातीय–विकास के विचार को उपयुक्त उदाहरण देकर समझायें। 20

8. जनसंख्यावृद्धि और नियंत्रण से संबंधित प्रमुख वाद विवादों की गंभीरतापूर्वक जाँच करें। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ-004 : भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-004
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020–21

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग क

1. भारत में समाजशास्त्र की प्रारंभता की सामाजिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए। 20

2. 1950 के दशक में भारत में गाँवों के अध्ययन का महत्व क्या था? चर्चा कीजिए। 20

3. भारत में जाति पहचान और दावे के प्रति जनगणना दृष्टिकोण के महत्व की चर्चा कीजिए। 20

4. भारत में नातेदारी के अध्ययन के संबंध में वंशानुक्रम और सहबंध की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

भाग ख

5. भारत में जनजातियों के संबंध में वेरियर एल्विन एवं जी. एस. घुरे के बीच के तर्क–वितर्क लिखिए। 20

6. भारत में धर्म के कुछ संसक्त एवं द्वंद्वात्मक आयामों पर प्रकाश डालिए। 20

7. भारत में नगरीकरण समाज को कैसे प्रभावित करता है? वर्तमान समय में प्रवासी श्रमिकों की बदहाली को ध्यान में रखते हुए वर्णन कीजिए। 20

8. सामाजिक आंदोलनों को परिभाषित कीजिए एवं इनके अर्थ की चर्चा, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 20